पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर

SYLLABUS

B.A. PART-III

EXAMINATION-2023-24

University of Rajasthan

23. राजस्थानी

इसमें दो प्रश्न-पत्र होंगे :

प्रथम—प्राचीन राजस्थानी साहित्य एवं निबंध

द्वितीय—राजस्थानी भाषा तथा राजस्थानी साहित्य का इतिहास

परीक्षा योजना	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	पूर्णांक 200
प्रथम प्रश्न-पत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्न-पत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

प्रथम पत्र : प्राचीन राजस्थानी साहित्य एवं निबंध :

(क) एक प्रश्न व्याख्या से संबंधित (कुल दो व्याख्याएँ)	2 × 16 = 32
(ख) दो प्रश्न-प्रत्येक पुस्तक पर एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 20 = 40
(ग) एक प्रश्न निबंध	1 × 28 = 28

निबंध अनिवार्यत : राजस्थानी भाषा में लिखना होगा।

यह राजस्थानी भाषा के किसी भी क्षेत्रीय रूप में लिखा जा सकता है।

पाठ्य पुस्तकें :

1. राजस्थानी साहित्य संग्रह, भाग प्रथम, सम्पादक-नरोत्तम दास स्वामी, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
   (इस संग्रह में संकलित खींची गंगेव नीबाबत री दोपहरी को छोड़कर शेष अंक यथावत रहेंगे।)
2. ढोला मारू रा दूहा-संपादक-स्वामी, रामसिंह पारीक, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
   (इसमें से आरम्भ के 100 दोहे पाठ्यक्रम में रहेंगे)।

सहायक ग्रंथ :

1. प्राचीन काव्यों की रूप परम्परा, अगरचंद नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. ढोला मारू रा दूहा—डॉ. शंभूसिंह मनोहर। स्टूडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर।

द्वितीय प्रश्न-पत्र : राजस्थानी भाषा तथा राजस्थानी साहित्य का इतिहास

परीक्षा योजना	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	पूर्णांक 200
प्रथम प्रश्न-पत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्न-पत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

इसमें पाँच प्रश्न होंगे। 2 प्रश्न राजस्थानी भाषा में तथा 3 प्रश्न राजस्थानी साहित्य के इतिहास से संबंधित होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। 5x20=100

(क) राजस्थानी भाषा से संबंधित राजस्थानी भाषा का उद्‌भव और विकास राजस्थानी की विशेषताएँ-राजस्थानी की विभिन्न बोलियाँ, उनकी विशेषताएँ, उनके क्षेत्र, डिंगल-पिंगल हिन्दी और राजस्थानी।

(ख) राजस्थानी साहित्य के इतिहास से संबंधित-काल विभाजन-आरम्भिक काल, मध्य काल तथा आधुनिक काल, इन कालों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य विधाएँ, प्रमुख रचनाएँ और रचयिता। राजस्थानी लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. पुरानी राजस्थानी-डॉ. टैसीटरी, अनुवादक-डॉ. नामवरसिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. राजस्थानी भाषा, डॉ. सुनीतिकुमार चटर्जी, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
3. राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण, जार्ज ग्रेयर्सन अनुवादक डॉ. आत्माराम जाजोदिया राजस्थानी भाषा प्रचार सभा बनीपार्क, जयपुर
4. राजस्थानी भाषा और साहित्य—डॉ. मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
5. राजस्थान का पिंगल साहित्य—डॉ. मोतीलाल मेनारिया, हितैषी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।
6. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्रोत और प्रवृत्तियाँ—डॉ. किरण नाहटा, चिन्मय प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
7. राजस्थान का लोक साहित्य, नानूराम संस्कर्ता, रूपायन संस्थान, बोरूंदा (जोधपुर)।